Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 9

हिन्दी

क्षितिज (काव्य खंड)

अध्याय -8 : वाख (ललद्यद)

भाग - 2

वाख

कुशाल सोलंकी

Under CSR Support by ipca | Foundation

विवरण (Overview)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1. कवि परिचय
2. वाख

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(3)

आई सीधी राह से, गई न सीधी राह ।
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!
जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

Under CSR Support by ipca | Foundation

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



आई सीधी राह से, गई न सीधी राह।

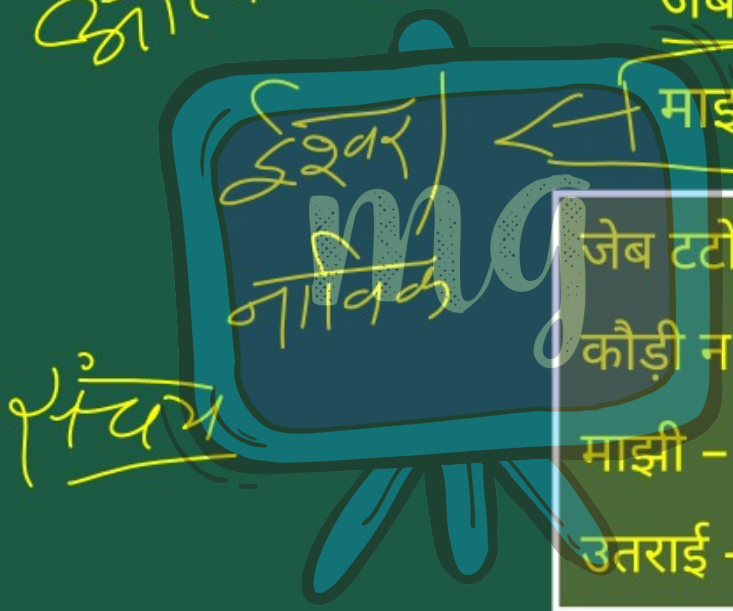
सुषुम-सेतु पर खड़ी थी, बीत गया दिन आह!

गई न सीधी राह – जीवन में सांसारिक छल-छद्मों के रास्ते पर चलती रही

सुषुम-सेतु – सुषुम्ना नाड़ी रूपी पुल, हठयोग में शरीर की तीन प्रधान नाडियों में से एक नाड़ी (सुषुम्ना), जो नासिका के मध्य भाग (ब्रह्मरंध्र) में स्थित है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

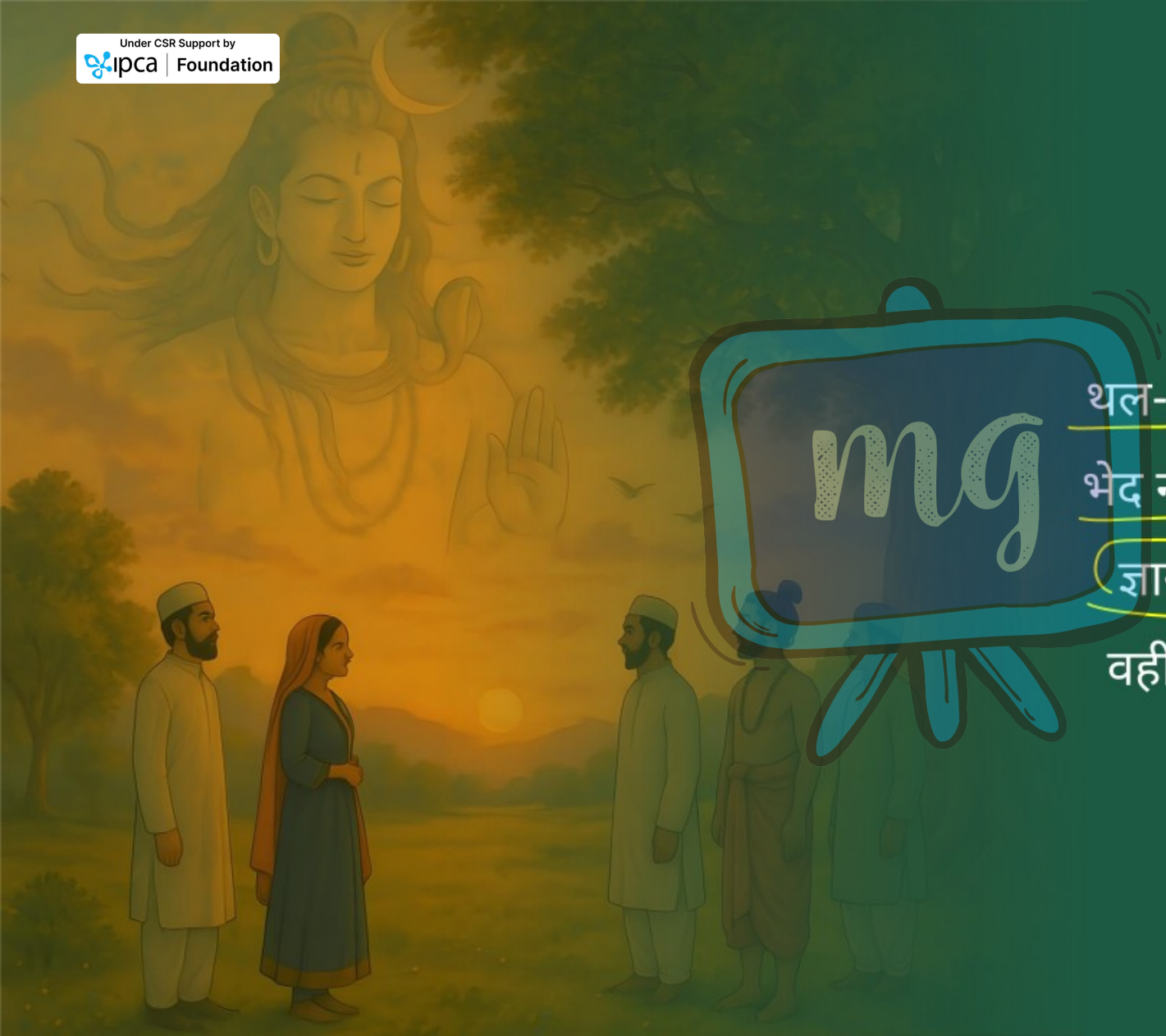


जेब टटोली, कौड़ी न पाई।
माझी को दूँ, क्या उतराई?

- जेब टटोली – आत्मालोचन किया
- कौड़ी न पाई – कुछ प्राप्त न हुआ
- माझी – ईश्वर, गुरु, नाविक
- उतराई – सङ्कर्म रूपी मेहनताना

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



(4)

थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां।
ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

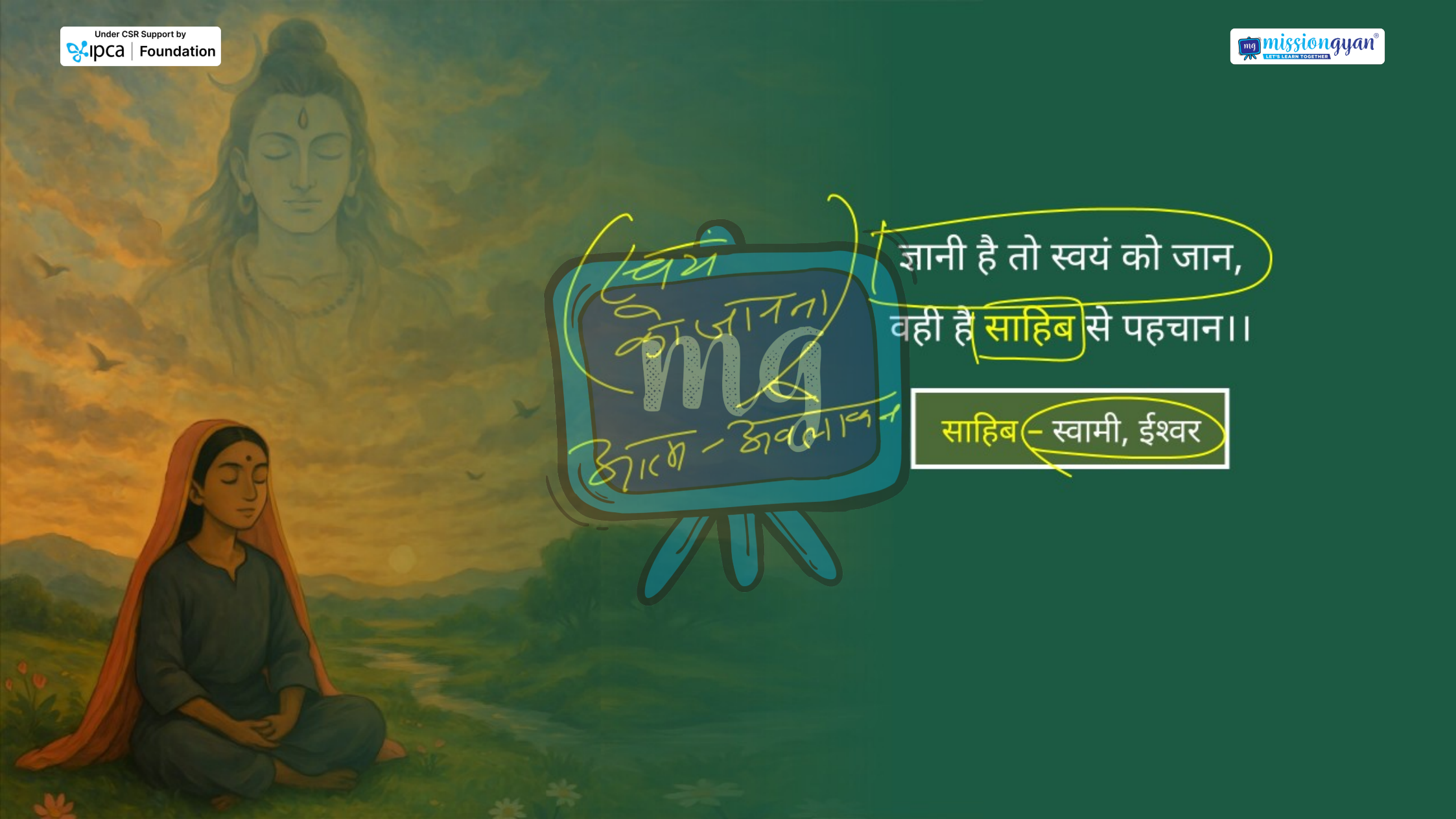


थल-थल में बसता है शिव ही,
भेद न कर क्या हिंदू-मुसलमां।

थल-थल - सर्वत्र
शिव - ईश्वर

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



ज्ञानी है तो स्वयं को जान,
वही है साहिब से पहचान।।

साहिब – स्वामी, ईश्वर

Under CSR Support by ipca | Foundation

सीखने के प्रतिफल (Learning Outcome)

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



1 सीधी राह किसे कहा गया है?

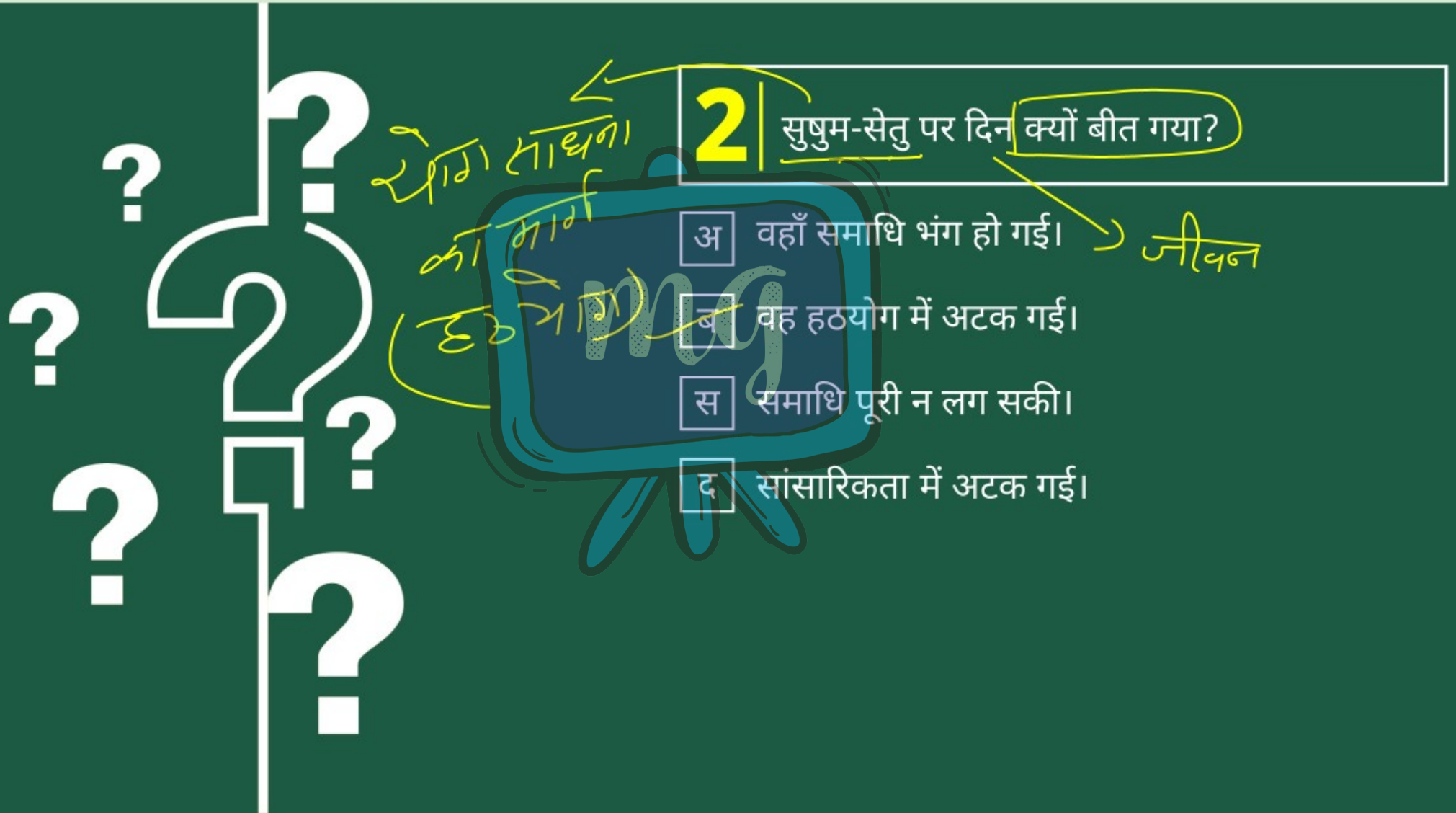
अ सच्चाई का रास्ता

ब सादगी का रास्ता

स भाव-भक्ति का रास्ता

द सांसारिकता का रास्ता

मूल्यांकन (Assessment)



2 सुषुम-सेतु पर दिन क्यों बीत गया?

अ वहाँ समाधि भंग हो गई।

ब वह हठयोग में अटक गई।

स समाधि पूरी न लग सकी।

द सांसारिकता में अटक गई।

मूल्यांकन (Assessment)



सड़कों से

3 कवयित्री की जेब खाली क्यों थी?

अ अपना सारा जीवन व्यर्थ में बिता दिया

ब वह तपस्विनी थी

स वह ईश्वर को पा न सकी

द वह समाधि न लगा सकी।

मूल्यांकन (Assessment)



4 यहाँ 'शिव' का क्या तात्पर्य है?

अ भगवान शंकर

ब आनंद

स कल्याण

द कल्याणकारी भगवान

Under CSR Support by
ipca | Foundation

मूल्यांकन (Assessment)

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



5 ईश्वर कहाँ बसता है?



अ सर्वत्र

ब मंदिर में

स तीर्थ में

द हृदय में